एक नजर में

कर्मों का कर्ज चुकाना पड़ेगा : श्रुतमुनि

इंदौर. जीवन में कर्म फल ही सब कुछ है. हम कौन-कौन से कर्म बंध कर रहे है. यह हमें जान लेना है। हमें कर्मो का कर्ज चुकाना पड़ेगा. धर्म सभा में आगम भगवती सूत्र की व्याख्या करते हुए उपप्रवर्तक श्रुतमुनि महाराज ने कहा कि हम माया चार, पापाचार, लोभ, माया, का जाल, मन, कषाय और झूठ, फरेब के सहारे कर्म बंध कर रहे है. ये जो कर्म हमारे ऊपर भार की तरह बढ़ते जा है अगर हमने इन कर्मो का कर्ज नहीं चुकाया तो नरक गति में जाना पड़ेगा. हम आगम के स्वाध्याय से, धर्मवाणी श्रवण से, साधना से, तपस्या से, सामायक स्वाध्याय से, दान से, हम अपने कर्मो कि निर्जरा करके कर्ज उतार सकते है. हमारे मन में यह उत्कृष्ट भाव आ जाये और हम पालन करें तो समझ लो कर्मो का कर्ज उतर रहा है. धर्मसभा का संचालन संयोजक प्रकाश भटेवरा ने किया धर्म सभा में अचल चौधरी, रमेश भंडारी, रखबचंद कोटावाले, जिनेश्वर जैन, हेमंत बोहरा राजकुमार पंजाबी, प्रकाश कोठारी, गजेद्र बोड़ाना, गजेन्द्र तांतेड़, सुनिता छजलाणी, पुष्पा डागरिया, आजाद नरेलिया, शशी बोथरा, अशोक मंडलिक, पद्म तांतेड़, आदि बड़ी संख्या में श्रावक- श्राविकायें उपस्थित थे.

पार्श्वनाथ भगवान को निर्वाण लाडू चढ़ाया

इन्दौर. दिगम्बर जैन मंदिर क्लर्क कालोनी में श्रावण शुक्ल सप्तमी (मुकुट सप्तमी) को आर्यिका रत्न विदक्षाश्री एवं आर्यिका सुवंदनमती माताजी के सानिध्य में पार्श्वनाथ भगवान को 23 किलो का निर्वाण लाडू चढ़ा. सुबह भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई. तत्पश्चात देव शास्त्र गुरु की पूजन, के बाद श्री पार्श्वनाथ भगवान की पूजन कर निर्वाण काण्ड पाठ पड़ कर निर्वाण लाडू चड़ाया गया. भगवान की आरती की गई. आरती में बड़ी संख्या भक्त जन शामिल हुए. पुरुष वर्ग सफेद वस्त्र महिलाएं केशरिया वस्त्रों शामील हुई. पार्श्वनाथ भगवान का भोग निवृत्ति काल एक माह पुर्व था. भगवान के तीन अनुबद्ध केवली थे. प्रवीण जैन ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ भगवान का जन्म बनारस में हुआ था. भगवान के पिता का नाम अश्वसेन माता का नाम वामादेवी था. भगवान का मोक्ष कल्याणक अपरान्ह काल मे श्री सम्मेद शिखर स्वर्णभद्र कूट से मोक्ष पद को प्राप्त किया. आज मुकुट सप्तमी को छोटी बालिकाओं ने निर्जल उपवास रखा. इस अवसर पर मुख्य रूप से आनंद गोधा, रमेश जैन, दिलीप बज, संजय काका, एसके सोगानी, मनीष जैन, निलेश जैन, रमणीक पारलिया, दिलीप अजमेरा, सिद्धार्थ गंगवाल, विमल डेडी, अशोक मोदी के साथ सभी समाज जन शामिल हुए.

ट्रैफिक सुरक्षा के नियमों के प्रति करेंगे जागरूक

इंदौर. स्वस्थ शरीर, सुरक्षित जीवनशैली और सजग समाज, इन्हीं मूल्यों को लेकर इंदौर में 1 से 7 अगस्त तक 'नेशनल बोन एंड जॉइंट वीक' का आयोजन किया जा रहा है. सप्ताहभर चलने वाले कार्यक्रमों के पहले दिन शहर के पांच चौराहों पर ट्रैफिक सुरक्षा जागरूकता और हड्डी और जोड़ों से जुडी सावधानियों पर आधारित कार्टून प्रदर्शनी आयोजित की जायेगी. इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन इंदौर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. हेमंत मंडोवरा ने कहा, एसोसिएशन से जुड़े डॉक्टर्स, उनके परिजन और पैरामेडिकल स्टाफ नागरिकों के साथ मिलकर शाम पांच से सात के बीच ट्रैफिक सुरक्षा के नियमों को लेकर जागरूकता फैलाएंगे. इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन इंदौर चैप्टर के सचिव डॉ. अर्जुन जैन ने कहा बोन एंड जॉइंट वीक के पहले दिन रविन्द्र नाट्य गृह में उत्सवचंद कला वीथिका में सुप्रसिद्ध कार्टूनिस्ट इस्माइल लहरी द्वारा ट्रैफिक नियमों से लेकर हड्डियों की सेहत तक, बनाए बीस कार्टून्स की एक श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी। इस प्रदर्शनी की उद्घाटन सांसद शंकर लालवानी द्वारा शाम 7 बजे किया जायेगा. यह सप्ताहभर चलने वाला अभियान हड्डियों और जोड़ों की सेहत को लेकर जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि ट्रैफिक सुरक्षा, एक्टिव लाइफस्टाइल और सामाजिक ज़िम्मेदारी का संदेश भी शहरवासियों तक पहुंचाएगा।

नि :शुल्क मशरूम खेती एवं प्रसंस्करण कार्यशाला

इंदौर. माली मोहल्ला इंदौर में मशरूम क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए, एल्बी फाउंडेशन ने सभी के लिए नि :शुल्क मशरूम खेती एवं प्रसंस्करण कार्यशाला का आयोजन किया. प्रशिक्षक अनु टेक एग्रो के डॉ. अनूप साहनी थे. इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में 18 महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया. एल्बी फाउंडेशन की संस्थापक निदेशक डॉ. आराधना चौकसे ने स्वागत भाषण दिया और एल्बी फाउंडेशन के सह-संस्थापक सीए श्रेयांस जैन ने धन्यवाद दिया. प्रीति चौहान और वंदना सिंह ने कार्यशाला के लिए महिलाओं को एकत्रित किया और अनुटेक एग्रो द्वारा मशरूम पाउडर की तकनीक का हस्तांतरण किया गया. एल्बी फाउंडेशन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है और उद्यम निर्माण और विपणन में सहायता करता है.

मन के ताप दूर होते हैं रामचरित मानस से

इंदौर. भगवान् राम के चरित्र की कथा है राम चरितमानस. इसका अध्ययन करने से मन के ताप दूर होते है और आत्मा की शुद्धि होती है. यह बात महंत मंगलदास महाराज खाकी ने अखंड रामायण का पाठ करते हुए कही. प्रवीण जोशी ने बताया कि नवरत्न बाग स्थित श्री विजय मारुति हनुमान मँदिर में सावन माह में अखंड रामायण का पाठ चल रहा है, जिसका समापन 9 अगस्त को सावन पूर्णिमा पर होगा। पंडित अमित गौड भी रामायण का पाठ करते है.

पुण्यतिथि पर सुन्दरकाण्ड व सम्मान

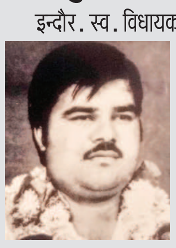

इन्दौर. स्व. विधायक चन्द्रशेखर व्यास की 45वीं पुण्यतिथि के अवसर पर नागरिक सहायता समिति की ओर से प्रसिद्ध रामायण मण्डल श्री हनुमान आराधना मण्डल द्वारा संगीतमय सुन्दरकाण्ड के पाठ का आयोजन किया गया है. इसके साथ ही स्व. श्री व्यास के सक्रिय साथी, सहकारी क्षेत्र के प्रसिद्ध श्री गोपाल यादव (पहलवान) का सम्मान किया जाएगा. कार्यक्रम 3 अगस्त को शाम 6 बजे से बड़े गणपति क्षेत्र में आयोजित किया जावेगा. संयोजक प्रकाश व्यास ने उक्त जानकारी दी.

निगम ने तीन खतरनाक भवनों पर की रिमूवल कार्रवाई

तीनों मकान झोन क्रमांक 12 के

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम रिमूवल अमले ने आज शहर में तीन खतरनाक मकानों पर रिमूवल कार्रवाई की. उक्त मकान कई सालों से जर्जर अवस्था में थे और क्षेत्र के लोगों को कभी भी जान का खतरा हो सकता था. उक्त तीनों जर्जर भवन निगम झोन 12 के इलाके में आते हैं.

निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर नगर निगम द्वारा जनसुरक्षा के लिए खतरनाक एवं जर्जर भवनों पर रिमूवल कारवाई की जा रही है. उक्त कारवाई का उद्देश्य शहरवासियों की सुरक्षा एवं संभावित दुर्घटनाओं को रोकना है.

आज सुबह इसी कड़ी में निगम प्रशासन द्वारा झोन 12 के तीन जर्जर व खतरनाक भवनों पर रिमूवल किया गया. इसमें शीतल बिंदा 12/2 मुराई मोहल्ला, रफीक रूबी बस वाला 26/3 चंद्रभागा जूनी इंदौर एवं राम गुलाम हार्डिया 17/2 मुरई मोहल्ला के जर्जर मकान को हटाया गया.

उक्त मकान विगत कई वर्षों से अत्यंत जर्जर अवस्था में थे. इस कारण आसपास के नागरिकों की जान को खतरा बना हुआ था. रिमूवल कारवाई के दौरान अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, भवन अधिकारी वैभव देवलासे, सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे सहित निगम की तकनीकी एवं रिमूवल टीम के कर्मचारी मौके पर उपस्थित थे.

पुलिस पर कार चढ़ाने वाले बीजेपी नेता के बेटे को मिली जमानत

अधूरी जांच और वर्दी न पहनने का मुद्दा कोर्ट में बना आधार

इंदौर. पुलिस पर कार चढ़ाने के आरोपी बीजेपी नेता कमाल खान के बेटे माज खान को कोर्ट से जमानत मिल गई. अदालत ने जमानत देते हुए पुलिस की अधूरी जांच और घटना के समय पुलिसकर्मी के वर्दी में न होने को अहम आधार माना. हालांकि, जांच के दौरान बरामद संदिग्ध पाउडर यदि अवैध साबित होता है तो उनकी जमानत रद्द हो सकती है.

माज खान पर आरोप है कि उसने धेनू मार्केट इलाके में पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ाने की कोशिश की थी. घटना 26 जुलाई की है, जब पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि माज खान एक महिला के साथ सफेद कार में संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त है और संभवत: ड्रग्स की तस्करी कर रहा है. इस पर प्रधान आरक्षक दीपक थापा और उनकी टीम ने कार को रोकने की कोशिश की. कार रोकने के प्रयास के दौरान माज खान ने गाड़ी तेज गति से आगे बढ़ाई और थापा को कुचलने की कोशिश की. इतना ही नहीं, उसने कार को रिवर्स लेकर भी दोबारा चढ़ाने की कोशिश की. इसके बाद पुलिस ने माज खान को पकड़ा और कार से संदिग्ध पावडर भी बरामद किया. माज खान पर हत्या के प्रयास, शासकीय कार्य में बाधा समेत गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज हुआ था. लेकिन पुलिस की अधूरी जांच और ड्यूटी के समय वर्दी न पहनने की वजह से अदालत ने उन्हें जमानत दे दी, मामले पुलिस के अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे है.

पंथ मुंडला में दलित परिवारों का पलायन

घरों पर लिख दिया यह मकान बिकाऊ है

इंदौर. देवास के विजयगंज मंडी थाना क्षेत्र के ग्राम पंथ मुंडला में दलित रविदास समाज के कई परिवार गांव छोड़ने की तैयारी में हैं. परिवारों ने अपने घरों पर 'यह मकान बिकाऊ है' लिख दिया है. ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से उत्पीड़न और मूलभूत सुविधाओं के अभाव से परेशान हैं.

रविदास समाज के करीब 35 परिवार इस गांव में पीढ़ियों से रह रहे हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय के 300 से अधिक परिवार यहां निवास करते हैं. ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें न तो आवास योजना का लाभ मिल रहा है और न ही अन्य शासकीय योजनाओं का. उनका आरोप है कि गांव के श्मशान घाट और गौचर भूमि पर भी अतिक्रमण हो गया है, जिससे उनकी परेशानी बढ़ गई है. पीड़ित परिवारों ने अपनी समस्याएं अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार को बताई. उन्होंने कहा कि शुक्रवार, 1 अगस्त को सुबह 11 बजे देवास कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर समस्याएं उठाई जाएंगी.

एआई से होगा समग्र आईडी की विसंगतियों का सुधार

महापौर द्वारा शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ विभाग व न्यू मिशन फोर अर्बन पॉवरटी एलीवेशन की समीक्षा बैठक

इंदौर. महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा शासन की जनकल्याण कारी योजनाओ का अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ प्राप्त हो तथा डिजिटल इंदौर की तर्ज पर योजनाओं का क्रियान्वयन व्यापक स्तर पर करने के उददेश्य से आज महापौर सभाकक्ष में शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ विभाग एवं न्यू मिशन फोर अर्बन पॉवरटी एलीवेंशन की समीक्षा बैठक ली गई. बैठक में शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ प्रभारी मनीष शर्मा मामा, उपायुक्त मनोज जैन, सिटी मिशन मैनेजर कृष्णा बनाइत, राजवीर धाकड, दीप्ति रावत शर्मा व अन्य उपस्थित थे.

नगर सरकार आपके द्वार अभियान 25 से

शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ प्रभारी मनीष शर्मा मामा ने बताया कि इंदौर में जनकल्याणकारी योजनाओ के पात्र हितग्राहियो को लाभ पहुंचाने के साथ ही निगम स्तर से मिलने वाली सुविधाओ व योजनाओ का लाभ भी प्राप्त हो तथा नागरिको की निगम के विभिन्न विभागो से संबंधित समस्याओ का समाधान एक ही स्थान पर हो इसको दृष्टिगत रखते हुए महापौर द्वारा नगर सरकार आपके द्वार अभियान के प्रथम चरण में 25 अगस्त से निगम की टीम के माध्यम से प्रत्येक वार्ड में सर्वे करते हुए, नागरिको की निगम के विभिन्न विभागो से संबंधित समस्याओ व सुविधाओ के संबंध में सर्व करने के निर्देश दिये.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओ के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गई, जिसके अंतर्गत वृद्धा पेंशन योजना, समग्री आईडी, स्व सहायता समूह, मजदूर चौक, आश्रय स्थल, डे केयर सेंटर, तथा शासकीय योजनाओ के क्रियान्वयन शामिल है. महापौर द्वारा शासन की योजना के अंतर्गत वृद्धा पेंशन योजना में आ रही परेशानियों के संबंध में विभाग से जानकारी ली कि क्यों पात्र हितग्राहियों को समय पर पेंशन का भुगतान नहीं हो रहा है? इस पर विभाग द्वारा संतोषजनक जवाब नही देने पर पेंशन भुगतान में आ रही त्रुटियों का समाधान करने के निर्देश दिये. महापौर श्री भार्गव ने कहा कि समग्र आईडी की विसंगतियों को दूर करना आवश्यक है, ताकि पात्र समग्र आईडी धारको को पात्रतानुसार लाभ प्राप्त किया जा सके. इसके लिये समग्र आईडी जिनमें सुधार व संशोधन की आवश्यकता है इसको दृष्टिगत रखते हुए, समग्र आईडी की विसंगतियो को दूर करने के उददेश्य से प्रदेश में पहली बार किसी नगरीय निकाय द्वारा आईटी व एआई की संयुक्त टीम द्वारा सुधार किया जाएगा. इस संबंध में शहरी गरीबी उपशमन विभाग व आईटी के साथ समन्वय कर कार्य करने के भी निर्देश दिये गये. महापौर द्वारा शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि शासन की योजनाओ की जानकारी के साथ ही योजनाओ का क्रियान्वयन ठीक से हो रहा है या नही इसके लिये प्रभारी मनीष शर्मा मामा प्रत्येक 15 दिवस में विभाग की समीक्षा करें, ताकि योजनाओ की व्यापक स्तर पर जानकारी नागरिकों को मिल सके और क्रियान्वयन भी बेहतर हो सके.

न्यायालय ने तलाक के मुहाने पर खड़े दंपती को फिर मिलाया

बच्ची के हाथों मिठाई खिलाकर दी विदाई

इंदौर. प्रथम जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अदालत में एक अनोखा और भावुक कर देने वाला मामला सामने आया. देपालपुर तहसील के ग्राम भिडौता निवासी बादल और रितु, जो पिछले दो वर्षों से अलग-अलग रह रहे थे और तलाक का प्रकरण न्यायालय में लंबित था, वे अंतत: आपसी सुलह कर एक हो गए.

दोनों की दो छोटी संतानें हैं, जो मां रितु के साथ रहकर पढ़ाई कर रही थीं. जब न्यायालय में दोनों के बीच आपसी मतभेद कम होने की संभावना दिखी, तो माननीय जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने यह मामला मध्यस्थता केन्द्र में भेजा. वहाँ प्रशिक्षित मध्यस्थ एवं वरिष्ठ सिविल जज रिजवाना कौसर द्वारा की गई. कुशल मध्यस्थता और समझाइश के फलस्वरूप, दोनों पक्षों ने आपसी वैचारिक मतभेद भुलाकर साथ रहने का निर्णय लिया. आपसी सहमति से राजीनामा होने के बाद, न्यायालय परिसर में एक अत्यंत भावुक दृश्य देखने को मिला. माननीय जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने न्यायालय के विश्राम कक्ष में, अधिवक्ताओं की उपस्थिति में अपनी ओर से दंपती की पुत्री के हाथों दोनों को मिठाई खिलवाकर और मिठाई भेंट कर उन्हें शुभकामनाओं के साथ विदा किया. इस अवसर पर उभय पक्ष के अधिवक्ता टी.आर. रघुवंशी, प्रदीप पटेल सहित वरिष्ठ अधिवक्ता बी.आर. पटेल, सी.एस. जोशी एडवोकेट, संदीप ठाकुर, भरत पटेल,नायब नाजिर दिलीप यादव और अन्य सभी अधिवक्तागण उपस्थित रहे.

> **मध्यस्थता परिवार जोड़ने का माध्यम**
>
> यह प्रसंग न केवल मध्यस्थता प्रक्रिया की सफलता को रेखांकित करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि न्यायालय केवल विवादों का निपटारा नहीं करता, बल्कि टूटते परिवारों को जोड़ने का भी सशक्त माध्यम बन सकता है।

बच्चों, महिलाओं के लिए ईको फ्रेंडली गणेश मूर्ति प्रशिक्षण कार्यशाला

इंदौर. लायंस क्लब ऑफ इंदौर सनशाइन द्वारा इको फ्रेंडली गणेश मूर्ति प्रशिक्षण कार्यशाला बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों के लिए कनक एवेन्यू रखी गई.

इस कार्यशाला का उद्देश्य सभी को पर्यावरण की दृष्टि से मिट्टी की मूर्तियाँ बनाने का ज्ञान व कौशल प्रदान करना था. 50 बच्चों को पर्यावरण अनुकूल मूर्तियाँ बनाना तथा विसर्जन घर में कैसे करना है बताया गया. आज क्लब से अध्यक्ष संगीता पाठक, पूर्व अध्यक्ष सुप्रिया बंसल, पूजा जोशी, अर्चना शर्मा, इंदु वर्मा तथा मधु व्यास उपस्थित थीं.

आवारा श्वानों ने दो साल के मासूम को नोंचा

महू. इन दिनों आवारा खूंखार श्वानों का आतंक लगातार बढ़ता ही जा रहा है। यहां आए दिन अकेले निकलने वाले राहगीरों पर तो आवारा श्वान हमला कर ही रहे हैं. एक दिन पूर्व ही ग्राम पंचायत डोंगरगांव स्थित डीएचएल कॉलोनी में 2 साल के मासूम पर 15 से 20 आवारा श्वान ने हमला कर उसे गंभीर रूप से जख्मी किया। मासूम का इलाज अभी भी अस्पताल में जारी है.

मिली जानकारी के मुताबिक, एक दो साल के मासूम छोटे बच्चे पर करीब 15-20 श्वानों ने झुंड बनाकर हमला कर दिया. उसके परिजन बताते हैं, जिसमें मासूम को 50 टांके लगे हैं. उक्त मामले की शिकायत करते हुए 2 वर्षीय मासूम के पिता मोहम्मद फैजान ने तहसीलदार विवेक सोनी को बताया कि जब उनका पुत्र अबू बकर कॉलोनी में खेल रहा था तभी अचानक उसे पर 15-20 श्वानों ने हमला कर दिया. वहीं पहले भी कॉलोनी में आवारा श्वान लोगों पर हमला करते रहे हैं. बता दे कि महू शहर में भी आए दिन अब आवारा श्वानों की संख्या बढ़ती जा रही है.

किशनगंज स्थित कॉलोनियों में भी इंदौर नगर निगम क्षेत्र से लाकर महू तहसील में आवारा श्वान छोड़े जा रहे हैं. जिसके चलते डॉग बाइट की घटना लगातार बढ़ती जा रही है. इसके अलावा शहर के विभिन्न चौराहो पर भी दर्जनों से अधिक आवारा फालतू श्वान देखे जाते हैं. जो अकेले दिखने वाले व्यक्ति पर निशाना साधते हैं. साथ ही बाइक सवारों पर हमला करते हुए नजर आते हैं. इसी वजह से शासकीय मध्य भारत अस्पताल में भी रेबीज इंजेक्शन लगाने वालों की संख्या भी बढ़ते जा रही है। यहां पर कई बार इंजेक्शन उपलब्ध नहीं हो पाते हैं.

जयंती | छत्रीबाग रामद्वारा पर रामचरित मानस के प्रणेता गोस्वामी तुलसीदास की 528वीं जयंती पर सत्संग व सामूहिक आरती

तुलसीदास ने हिन्दू समाज में आस्था-श्रद्धा की प्राणप्रतिष्ठा भी की

इंदौर. भारत के सनातन धर्म के संक्रमणकाल और तत्कालीन मुगल शासकों के राज में हमारे सदग्रंथों को जलाने जैसी घटनाओं के बीच गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस के माध्यम से हिन्दू समाज को न केवल जागृत और चैतन्य बनाया, बल्कि धर्म एवं संस्कृति के प्रति अटूट और अखंड आस्था-श्रद्धा की भी प्राण प्रतिष्ठा की. आज एक बार फिर देश को सनातन धर्म की ध्वजा को और अधिक ऊंचाई देने तथा राम नाम की अमूल्य धरोहर को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है.

ये विचार हैं रामस्नेही संप्रदाय के संत सुखराम महाराज रामस्नेही बाडमेर वालों के, जो उन्होंने छत्रीबाग रामद्वारा पर गोस्वामी तुलसीदास की 528वीं जयंती पर आयोजित सत्संग, माल्यार्पण एवं सामूहिक आरती के कार्यक्रम में व्यक्त किए. प्रारंभ में छत्रीबाग रामद्वारा परिवार की ओर से गिरधर नीमा, राम निवास मोड़, रामसहाय विजयवर्गीय, हेमंत काकानी, वासुदेव सोलंकी आदि ने संतश्री का स्वागत किया और उनके सानिध्य में गोस्वामी तुलसीदास के चित्र एवं रामचरित मानस का पूजन कर सामूहिक आरती संपन्न की. संतश्री सुखराम महाराज ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने बाल्यकाल से ही रामबोला के रूप में अपने जीवन की शुरुआत कर कालांतर में भारतीय समाज को राम चरित मानस के रूप में एक ऐसी धरोहर प्रदान की है, जो आज भी भारतीय समाज के घर-घर और जन-जन तक रची-बसी हुई है. विनय पत्रिका, गीतावली एवं कवितावली जैसी रचनाएं भी तुलसी की रचनाधर्मिता का प्रमाण है.

देश को राम नाम से जोड़ने का श्रेय

गोस्वामी तुलसीदास के बाल्यकाल से लेकर अंतिम समय तक के प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भी गांव-गांव में रामायण की चौपाइयां और दोहों के साथ लोगों की भोर शुरू होती है और सांझ भी रामचरित मानस के साथ संपन्न होती है. हनुमानजी की कृपा और आज्ञा प्राप्त करने के बाद तुलसीदास ने प्रभु श्रीराम के चरित्र को अपनी लेखनी से इतना विस्तारित और जीवंत बना दिया कि सनातन धर्म की ध्वजा हमेशा फहराती रहेगी. देश को राम नाम और राम भक्ति से जोड़ने का सबसे बड़ा श्रेय गोस्वामी तुलसीदास को ही है, जिनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए किए गए सभी प्रयास बहुत बौने लगते हैं.